तेरा जनम मरण मिट जाए तू हरी का नाम सुमिर प्यारे

तेरा जनम मरण मिट जाए,
तू हरी का नाम सुमिर प्यारे ।

बालापन में मन खेलन में, सुख दुःख नहीं था रे,
जोबन रसिया कामन बसिया तन मन धन हारे ।
तू हरी का नाम सुमिर प्यारे...

बूढा हो कर घर में सो कर, सुने वचन खारे,
दुर्बल काया रोग सताया, तृष्णा तन जारे ।
तू हरी का नाम सुमिर प्यारे...

प्रभु नहीं सुमिरा बीता उमरा, काल आए मारे
'ब्रह्मानंद' बिना जगदीश्वर कौन विपत टारे
तू हरी का नाम सुमिर प्यारे...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1004/title/tera-janam-maran-mit-jaye-tu-hari-ka-naam-sumir-pyare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |